हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 11 जून 2014, बरेली, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर
www.livehindustan.com

हर साल 25 मिलियन टन मिट्टी का होता है क्षरण

बरेली। एसआरएमएस में चल रहे इन्सपायर इंटर्नशिप के पांच दिवसीय कार्यक्रम के चौथे दिन मदर अर्थ विषय पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। पीजीडी इनवायरमेंट मैनेजमेंट बरेली के प्रभारी प्रो. डीके सक्सेना ने पर्यावरण को संरक्षित करने के संसाधनों के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर सूक्ष्म उपजाऊ क्षेत्र है ऐसे में इस क्षेत्र का सदुपयोग करना चाहिए। प्रतिवर्ष 25 मिलियन टन उपरी मृदा का क्षरण होता है। उन्होंने मृदा संरक्षण के उपायों की जानकारी दी। प्रो. जगन्नाथ साहू ने व्यायाम व खानपान और मोबाइल से होने वाले शारीरिक नुकसान के बारे में बताया। ट्रस्ट प्रशासक सुभाष मेहरा, डीन एकेडमिक्स प्रो. प्रभाकर गुप्ता, फार्मेसी विभागाध्यक्ष प्रो. एम मुस्तकीम, रशीत अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, केके तिवारी मौजूद थे।